


10.02.25 पत्रावली पेश। प्रार्थी वकील उप०।  
अप्रार्थीगण को जारी नोटिस तामिल  
प्राप्त। रुक-रुक कर तीन बार अवाज  
दिलवाई गई। कोई उपस्थित नहीं होने  
से इनके विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही अमल  
में लाई जाती है।

प्रार्थीगण अधिवक्ता इब्राहिम शाह  
द्वारा दि. 01.02.2017 की आदेशिका में  
वर्धित तथ्यों को दोहराते हुए मूल वाद  
के विस्तारण तक वाद में अस्थाई  
निषेधाज्ञा जारी करने का निवेदन किया।

हमने प्रार्थीगण अधिवक्ता द्वारा  
दिये गये तर्कों पर मनन किया। तथा  
पत्रावली में संलग्न दस्तावेजों का अध्ययन

  
सहायक कलेक्टर, सांचौर  
(उपखण्ड अधिकारी, सांचौर)  
P. T. O.

Continue मुं. 15/17

अवलोकन किया। प्रस्तुत दरतावेजों  
अनुसार वादग्रस्त आराजी मौजा  
अचलपुर पटवार हल्का अचलपुर ख.  
नं. 372 रकबा 3.36 है, ख. नं.  
373 रकबा 1.14 है। आराजी में प्रथम  
दृष्टया मामला, सुविधा का संतुलन,  
व अपूरणीय क्षति का विद्वान्  
प्राचीन के पक्ष में सिद्ध होता है।  
अतः प्रकरण में अस्थाई निषेधाज्ञा  
जारी किया जाना उचित समझता हूँ।

— आदेश! —

उपरोक्त बिन्दुओं के आधार पर मौजा  
अचलपुर ख. नं. 372, 373 रकबा  
कुमशः 3.36, 1.14 हेक्टेयर आराजी  
की अप्रार्थी सं. 1 से 3 मूल वाद के  
निस्तारण तक राजस्व रैकर्ड की  
यथास्थिति बनाये रखेंगे। इस आशय  
की अस्थाई निषेधाज्ञा जारी की जाती  
है। फत्रावली फ़ैसल लेकर नंबर  
से कम हो। पुराने

सहायक  
उपखण्ड जयपुर, सांचौर